अग्नि काण्ड

बाल-बाल बचीं दर्जनों फैक्ट्रियां, मची अफरा-तफरी, जबलपुर-मंडला के दमकलों ने संभाला मोर्चा

# मनेरी ग्रोथ सेंटर के प्लांटेशन में भीषण आग

**मनेरी/मंडला, नवभारत।** मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत आने वाले मनेरी ग्रोथ सेंटर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब यहाँ स्थित यूकेलिप्टस प्लांटेशन क्षेत्र में अचानक भीषण आग भड़क उठी। गर्मी और तेज हवाओं के चलते आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

बताया गया कि आग इतनी भयावह थी कि इसकी लपटें और काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से देखा जा सकता था। सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हुआ और मंडला के साथ-साथ पड़ोसी जिले जबलपुर से भी फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए।

राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्लांटेशन क्षेत्र के ठीक आसपास बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण की कोशिश शुरू न होती और लपटें फैक्ट्रियों की तरफ बढ़ जातीं, तो एक बड़ा औद्योगिक हादसा हो सकता था।

### अधिकारी मौन, जांच के आदेश

आग लगने के सटीक कारणों को लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। जब इस संबंध में एमपीआईडीसी के ईडी अनिल राठौर से फोन पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने भी तत्काल कारण बता पाने में असमर्थता जताई। हालांकि प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि अत्यधिक गर्मी या किसी मानवीय लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ है। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं।

### सुरक्षा को लेकर उठ रहे हैं गंभीर सवाल

इस घटना ने मनेरी औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा मानकों और फायर फाइटिंग सिस्टम की पोल खोलकर रख दी है। स्थानीय लोगों और उद्यमियों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि इतने बड़े औद्योगिक केंद्र में आग से निपटने के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं हैं।

# निजी स्कूलों की मनमानी से अभिभावक त्रस्त

जेएमआर और सरस्वती ज्ञान मंदिर देवरी कला बबलिया में अव्यवस्थाओं का अंबार, टीसी मांगने पर विवाद व अवैध वसूली के आरोप

**नारायणगंज, नवभारत।** विकास खंड नारायणगंज के निजी शिक्षण संस्थानों में शिक्षा के नाम पर व्यापार और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ का मामला गरमाता जा रहा है। देवरी कला बबलिया के स्थानीय जेएमआर स्कूल और सरस्वती ज्ञान मंदिर में व्याप्त भारी अव्यवस्थाओं और स्कूल प्रबंधन की मनमानी के खिलाफ ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने मोर्चा खोल दिया है।

बताया गया कि अभिभावकों द्वारा टीसी मांगने पर विवाद किया जाता है और अवैध रूप से अधिक फीस ली जा रही है। ग्राम रमपुरी के जनपद सदस्य शालिग्राम तुमराची ने आरोप लगाते हुए बताया कि जब उन्होंने जेएमआर स्कूल से अपने बच्चों की टीसी मांगी, तो प्रबंधन ने मार्कशीट में कम नंबर देने की धमकी दी। इसके साथ ही निर्धारित से अधिक फीस की मांग की गई। विरोध करने पर प्रधान पाठक द्वारा महिला शिक्षकों को आगे कर विवाद करने और गाली-गलौज करने की बात भी सामने आई है।

### सुविधाओं का अभाव, न मैदान, न शौचालय

शिकायत में कहा गया है कि इन स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। स्कूलों में न तो खेलने के लिए मैदान है और न ही छात्र-छात्राओं के लिए उचित शौचालय की व्यवस्था। स्कूल के पास अपनी बसें नहीं हैं। बच्चों को निजी सवारी वाहनों में भूसे की तरह भरकर और छत पर बैठाकर ले जाया जाता है, जो किसी बड़ी दुर्घटना को सीधा आमंत्रण है। सरस्वती ज्ञान मंदिर में बच्चों को छोटे-छोटे कमरों में क्षमता से अधिक भरा जा रहा है। ऊपर टीन शेड होने के कारण भीषण गर्मी में मासूम बच्चे तप रहे हैं।

### अभिभावकों ने लगाया प्रशासनिक संरक्षण का आरोप

जनपद अध्यक्ष नारायणगंज आसाराम भारतीया, उपसरपंच संजय सोनी और प्रमोद यादव सहित ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी के संरक्षण के कारण इन स्कूलों पर कोई कार्यवाही नहीं होती। आरोप है कि वार्षिक उत्सवों के नाम पर भारी चंदा वसूला जाता है और उस राशि का बंदरबाँट किया जाता है।

### ग्रामीणों की मांग, जांच कर बंद हों ऐसी संस्थाएं

मामले की गंभीरता को देखते हुए जनपद अध्यक्ष आसाराम भारतीया और समस्त ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि स्कूलों में बैठने की व्यवस्था, खेल मैदान और आवागमन की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, तो ऐसे फर्जी तरीके से चल रही संस्थाओं को तत्काल बंद किया जाए।

# तालाब में श्रमदान कर लोगों ने ली जल बचाने की शपथ

जल है तो कल है के तहत नगर परिषद् और प्रस्फुटन समिति ने चलाया स्वच्छता अभियान

**बम्हनी बंजर।** कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीना के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर परिषद् बम्हनी बंजर में जल संरक्षण की अलख जगाई गई। नगर विकास प्रस्फुटन समिति एवं नगर परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में वार्ड नंबर 04 स्थित तालाब पर श्रमदान कर साफ-सफाई की गई। इस दौरान उपस्थित नगरवासियों को जल संचयन और संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में विकास खंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया ने जल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि घटते भूजल स्तर को सुधारने और भविष्य की जरूरतों के लिए वर्षा जल का संरक्षण अनिवार्य है। यह न केवल मानव जीवन बल्कि कृषि और पारिस्थितिक संतुलन के लिए भी आवश्यक है। इस अवसर पर सीएमओ मीना पटेल, इंजीनियर शिल्पा मेश्राम, सफाई दरोगा संतोष तिवारी सहित प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी गौरव हरदहा, विपिन सिंगौर, अंकुर हरदहा, महेंद्र चंद्रोल, गजेन्द्र हरदहा, फूल सिंह धुर्वे, सुभाष सूर्यवंशी और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर तालाब परिसर की स्वच्छता सुनिश्चित की और नागरिकों को पानी की बर्बादी रोकने के लिए प्रेरित किया।

# पीडब्ल्यूडी पेंचवर्क घोटाला : दोबारा जांच के आदेश भी फाइलों में दबे

पहली जांच रिपोर्ट पर उठे सवाल, दूसरी जांच की समय सीमा भी हुई पार

**नारायणगंज।** लोक निर्माण विभाग में सड़कों के पैचवर्क और विधायकों के निवास पर वीसी रूम निर्माण में हुई कथित वित्तीय अनियमितताओं का मामला एक बार फिर गरमा गया है। तत्कालीन कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने पूर्व में सौंपी गई जांच रिपोर्ट पर सवाल उठने के बाद पूरे मामले की नए सिरे से जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि दूसरी जांच टीम को दी गई 15 दिनों की समय सीमा भी अब समाप्त हो चुकी है, लेकिन अब तक प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है।

बताया गया कि विगत दिसंबर 2025 में लोक निर्माण विभाग के विरुद्ध दो शिकायत सड़क पैचवर्क और वीसी रूम निर्माण की दर्ज की गई थीं। जिसमें वर्ष 2025 के वर्षाकाल के बाद करीब 70 लाख रुपये की लागत से सड़कों का सुधार कार्य और तीन विधायकों के आवास पर 2.32 लाख रुपये की लागत से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम का निर्माण था। इन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में चार सदस्यीय टीम गठित की गई थी, जिसने फरवरी 2026 में अपनी रिपोर्ट सौंपी।

### तीन सदस्यीय टीम को सौंपी थी जांच

विवाद बढ़ता देख तत्कालीन कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने 6 अप्रैल 2026 को इस मामले की दोबारा जांच के आदेश जारी किए। नई तीन सदस्यीय टीम में तीन अधिकारियों को शामिल किया गया है। जिसमें संयुक्त कलेक्टर एस. घोरमारे, कार्यपालन यंत्री, पीआईयू पारस सिंह, सहायक कोषालय अधिकारी नोखेलाल मर्सकोले को पुन: जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

### समय सीमा समाप्त

प्रशासन द्वारा इस तीन सदस्यीय टीम को 15 दिनों के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन 15 दिवस पूरे होने के बावजूद जांच रिपोर्ट नहीं सौंपी गई। बताया गया कि इस एक करोड़ रुपये से कम के इन निर्माण कार्यों की जांच पिछले चार महीनों से फाइलों में दबी हुई है, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक तत्परता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

**जांच रिपोर्ट और अधिकारियों के जवाब पर विवाद**

बताया गया कि पहली जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री, उपयंत्री विशाल उइके, एसडीओ (निवास) दीपिका तेकाम और बिछिया एसडीओ को कारण बताओ नोटिस जारी किए थे। इसके जवाब में सभी संबंधित अधिकारियों ने एकजुट होकर तर्क दिया कि जांच अधिकारियों ने उनके समक्ष कोई भौतिक सत्यापन या जांच की ही नहीं। वहीं जांच दल में शामिल एसडीएम सोनल सिडाम और ईई (आरईएस) गीता आर्मो का दावा है कि निरीक्षण के दौरान उपयंत्री साथ थे। आरईएस कार्यपालन यंत्री गीता आर्मो का कहना है कि उपयंत्री ने टिकरिया से चुटका मार्ग नाले एवं टिकरिया से निवास बालई नदी के पुल का कराए गए कार्य स्थल निरीक्षण कराया है। उनके पास स्थल निरीक्षण के फोटोग्राफ्स भी मौजूद हैं। जांच रिपोर्ट में पंचनामा संलग्न न होने के कारण यह पूरी प्रक्रिया संदेह के घेरे में आ गई और अधिकारियों के जवाब ने मामले को नया मोड़ दे दिया।

# कटे होंठ और फटे तालु की समस्या का सफल ऑपरेशन, बच्चों को मिला नया जीवन

आरबीएसके के प्रयासों से संवरी दो मासूमों की मुस्कान, जन्मजात विकृति से मुक्त हुए दो नन्हे बच्चे

### 10 माह के प्रयाग को मिली नई पहचान

ग्राम बम्हनी माल (भटगांव) के निवासी मनमोहन तेकाम का 10 माह का पुत्र प्रयाग जन्म से ही फटे तालु की समस्या से जूझ रहा था। जानकारी के अभाव में परिजन इसे एक सामान्य स्थिति मान रहे थे। ग्राम भ्रमण के दौरान आरबीएसके टीम की नजर प्रयाग पर पड़ी। टीम ने न केवल इस समस्या की गंभीरता को पहचाना, बल्कि परिजनों की काउंसलिंग कर उन्हें इलाज के लिए प्रेरित किया। इसके बाद 14 अप्रैल 2026 को जबलपुर के दुबे सर्जिकल क्लिनिक में प्रयाग की प्राइमरी पैलेटोप्लास्टी सर्जरी पूरी तरह नि:शुल्क की गई। अब प्रयाग पूरी तरह स्वस्थ है और सामान्य बच्चों की तरह दिख रहा है।

### संजनी को वंशानुगत बीमारी पर मिली जीत

इसी प्रकार ग्राम लोहारी की 4 माह की बालिका संजनी पिता अमरजीत बरकडे जन्म से ही कटे होंठ और फटे तालु की समस्या से ग्रसित थी। यह समस्या उनके परिवार में वंशानुगत थी, जिससे परिजन काफी चिंतित थे। आरबीएसके टीम ने जन्म के समय से ही बच्ची की निगरानी रखी और सही समय आने पर 26 मार्च 2026 को उसकी प्राइमरी चीलोप्लास्टी सर्जरी करवाई। आज संजनी के होंठ सामान्य हैं और उसकी मुस्कान देख परिजन भावुक और प्रसन्न हैं।

**निवास, नवभारत।** राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में उन मासूमों के लिए वरदान साबित हो रही है, जो जन्मजात शारीरिक कमियों के कारण सामान्य जीवन जीने से वंचित रह जाते हैं। हाल ही में निवास ब्लॉक के अंतर्गत दो मासूम बच्चों के सफल ऑपरेशन ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की संवेदनशीलता और सार्थकता को सिद्ध किया है।

जानकारी अनुसार जिले के निवास विकास खंड से एक ऐसी सुखद तस्वीर सामने आई है, जो स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति भरोसे को और मजबूत करती है। ग्राम लोहारी की 4 माह की मासूम संजनी बरकड़े जो जन्म से ही कटे होंठ और फटे तालु जैसी गंभीर समस्या से जूझ रही थी, वहीं प्रयाग जन्म से ही फटे तालु की समस्या से जूझ रहा था। लेकिन दोनों की सफल सर्जरी के बाद अब एक सामान्य और खुशहाल जीवन की ओर कदम बढ़ा चुकी है।

### चुनौतीपूर्ण थी राह

संजनी के परिजनों के लिए यह केवल एक शारीरिक विकृति नहीं, बल्कि एक मानसिक और सामाजिक चिंता का विषय था। जन्मजात कटे होंठ के कारण बच्ची को दूध पीने में अत्यधिक समस्या हो रही थी, जिससे उसके पोषण और विकास पर खतरा मंडरा रहा था। यह समस्या परिवार में वंशानुगत होने के कारण चिंता और भी गहरी थी। इस मुश्किल घड़ी में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम संजनी के लिए मसीहा बनकर उभरी। सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती के निर्देशन में टीम ने न केवल बच्ची को चिन्हित किया, बल्कि संजनी के माता-पिता की निरंतर काउंसलिंग भी की। टीम ने उन्हें समझाया कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति से यह पूरी तरह ठीक हो सकता है।

### टीम का रहा विशेष योगदान

यह सफल उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निवास के बीएमओ डॉ. विजय पैगवार के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस नेक कार्य में डॉ. अजय कुमार खांडेल, डॉ. मनोरमा पाण्डेय और एएनएम शुभा पाण्डेय की सक्रिय भूमिका और समर्पण सराहनीय रहा। आरबीएसके टीम की यह तत्परता न केवल बच्चों को शारीरिक कष्ट से मुक्ति दिला रही है, बल्कि समाज के गरीब तबके का आर्थिक बोझ भी कम कर रही है। इन बच्चों की मुस्कान ही इस कार्यक्रम की असली सफलता है।

**इनका कहना है**

ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण अक्सर बच्चे इन विकृतियों के साथ बड़े हो जाते हैं। हमारा उद्देश्य हर उस बच्चे तक पहुँचना है जिसे उपचार की आवश्यकता है।

**डॉ. अजय कुमार खांडेल, आरबीएसके, निवास**

आरबीएसके टीम के मार्गदर्शन में संजनी को जबलपुर के विशेषज्ञ अस्पताल में भर्ती कराया गया। 26 मार्च 2026 को विशेषज्ञों द्वारा उसकी सफल सर्जरी की गई। ऑपरेशन के बाद अब संजनी के होंठ सामान्य बच्चों की तरह हो गए हैं। जब हमने पहली बार संजनी को ऑपरेशन के बाद देखा, तो हमारी आँखों में खुशी के आँसू थे। सरकारी योजना ने हमारी बच्ची को एक नया जीवन और सुंदर चेहरा दिया है।

**अमरजीत बरकडे, संजनी के पिता**

### भंडारित गोदामों से खरीदी तक नहीं निकलेगा गेहूं

**जबलपुर।** गोदामों में भंडारित विगत वर्षों का गेहूं रीसाइकिल होकर उपार्जन केंद्रों में बिकने की आशंका को देखते हुये कलेक्टर राघवेंद्र सिंह द्वारा जिले में स्थित गोदामों में भंडारित गेहूं की निकासी पर उपार्जन अवधि तक प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर ने आदेश में ऐसे गोदामों को सील करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। आदेश के मुताबिक गोदामों से उपार्जन अवधि में गेहूं निकासी की अनुमति सिर्फ अनुविभागीय राजस्व अधिकारी के लिखित अनुमति से ही मिलेगी। निकासी के समय अनुविभागीय राजस्व अधिकारी द्वारा अधिकृत व्यक्ति की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी स्थिति में गोदाम का पुराना गेहूं उपार्जन केंद्र में विक्रय हेतु न पहुंचे।

# मवई के अंजनी में आगजनी से भारी नुकसान

डेढ़ घंटे की देरी से पहुंची दमकल

**मवई।** जिले के मवई विकासखंड अंतर्गत ग्राम अंजनी में अज्ञात कारणों से आगजनी की घटना से गरीब किसान को नुकसान उठाना पड़ा। बताया गया कि इस आगजनी में ग्रामीण रामचरण धुर्वे के घर में रखे धान के पेरा में अचानक आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। इस घटना ने न केवल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं, बल्कि आपातकालीन सेवाओं की संवेदनशीलता को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है।

आग की लपटें उठती देख गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए अपने स्तर पर आग बुझाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन संसाधनों की कमी और आग की तेजी के कारण वे स्थिति पर काबू पाने में असमर्थ रहे। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस की टीम मौके पर समय पर पहुँच गई थी, लेकिन फायर ब्रिगेड की टीम करीब डेढ़ घंटे की देरी से घटना स्थल पर पहुँची। जब तक दमकल कर्मियों ने आग पर नियंत्रण पाया, तब तक पीड़ित परिवार का काफी नुकसान हो चुका था।

### आरोप : गरीब परिवार से 2500 रूपए की वसूली

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया है कि एक ओर जहाँ पीड़ित परिवार अपना सब कुछ खोने की कगार पर था, वहीं कथित तौर पर इस आपातकालीन सेवा के बदले एक गरीब रेखा से नीचे परिवार से लगभग 2500 रूपए की राशि वसूली गई। इस खबर के फैलते ही क्षेत्र की जनता में भारी आक्रोश है।

### युवा कांग्रेस ने उठाई जांच की मांग

बिछिया विधानसभा के युवा कांग्रेस अध्यक्ष बोधू सिंह मरावी ने इस घटना पर कड़ा विरोध किया है। उन्होंने प्रशासन से पूछा है कि क्या अब आपातकालीन सेवाएं भी भुगतान के आधार पर दी जाएंगी। क्या गरीब परिवारों के साथ इस तरह का अमानवीय व्यवहार क्यों किया जा रहा है। स्थानीयजन और युवा कांग्रेस ने मांग की है कि ?पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए। वसूली करने वाले और ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। पीड़ित परिवार को हुए आर्थिक नुकसान का उचित मुआवजा तत्काल प्रदान किया जाए।

# नकाबपोश बदमाशों ने की सरेराह इंजीनियर की गोली मारकर हत्या

सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हुआ गोलीकांड

प्रॉपर्टी विवाद आया सामने छानबीन में जुटी पुलिस

**जबलपुर।** रांझी थाना अंतर्गत बडा पत्थर नरसिंहनगर में गुरूवार सुबह बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने एक सिविल इंजीनियर के सिर में गोली मारकर सरेराह हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और छानबीन शुरू कर दी। गोलीकांड सीसीटीव्ही कैमरे में भी कैद हो गया। अब तक की जांच में रायपुर का प्रापर्टी विवाद सामने आया है। पुलिस हर एंगल पर तफ्तीश कर रही है। साथ ही संदेहियों को पुलिस ने चिन्हित कर लिया है। जिनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक क्लीरेंस एटकिंस 39 वर्ष निवासी बड़कू का बाड़ा रांझी का सिविल इंजीनियर था। गुरूवार सुबह वे अपने 5 वर्षीय बेटे को स्कूल छोडकर वापस अपनी मोटर सायकिल से आ रहा था सुबह 8-30 बजे जैसे ही बडा पत्थर नरसिंह नगर में अशोक मेडिकल के पास पहुंचा तभी एक मोटर सायकिल पर 2 अज्ञात लोग आये एवं क्लीरेंस एटकिंस की ओर बंदूक तानी और फायर कर दिए। बदमाशों ने बेहद करीब से निशाना साधते हुए फायरिंग की, जिसके कारण गोली सीधे सिर में जा धंसी। गोली लगते ही वह अचेत होकर सड़क पर गिर पड़े, जबकि हमलावर हथियार लहराते हुए फरार हो गए। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायल युवक को तत्काल विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया जहां से मेडिकल रेफर कर दिया गया। मेडिकल में दोपहर तीन बजे उसकी मौत हो गई।

### पुलिस-एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य

सूचना मिलते ही पुलिस, एफएसएल टीम मौके पर पहुँची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि बदमाशों की पहचान और उनके भागने के मार्ग का पता लगाया जा सके। गोलीकांड से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हुआ है जिसमें आरोपी फायरिंग करते नजर आ रहे है।

### रेकी के बाद वारदात

वारदात को हमलावरों ने रैकी के बाद अंजाम दिया है। अंधी हत्या की गुत्थी सुलझाने और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आयुष गुप्ता, नगर पुलिस अधीक्षक रांझी सतीष साहू के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रांझी उमेश गोल्हानी के नेतृत्व में टीम गठित कर दी गई है। टीम संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है।

**संदेही चिन्हित, पूछताछ जारी**

प्रारंभिक जांच में पुलिस इस हमले के पीछे रायपुर का जमीन विवाद सामने आ रहा है। पुलिस परिजनों और परिचितों से भी पूछताछ कर रही है। मामले में पलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही प्रापर्टी विवाद सामने आने के बाद कुछ संदेहियों को पुलिस ने चिन्हित कर लिया है, जांच चल रही है।